>

Title: Need to issue free railway passes to the next of kin of the soldiers who laid down their lives during Kargil War in the year 1999.

श्री महाबल मिश्रा (पश्चिम दिल्ली): अध्यक्ष महोदया, शून्यकाल में बोलने के लिये आपने मुझे मौका दिया, उसके लिये बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदया, आपको मालूम है कि 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जिसमें बहुत सारे कमीशंड आफिसर्स, जीसीओज़ और अन्य रैंक के लोग शहीद हुए थे। न जाने कितनी माताओं की गोद सूनी हो गई, कितनी बहनों के सिंदूर मिट गये, कितने पिता के बेटे नहीं रहे, कितने भाई के भाई नहीं रहे। केन्द्र में उस समय एन.डी.ए. की सरकार थी जिसने अनाऊंस किया था कि शहीद हुये लोगों के परिवार को रैंक के हिसाब से रेल में आवागमन के लिये सुविधा दी जायेगी लेकिन वह आज तक नहीं दी गई।

13.09 hrs.

(Dr. M. Thambidurai *in the Chair*)

सभापति जी, आपको मालूम होगा कि जीवित समय में कमीशंड आफिसर को एसी फर्स्ट क्लास की सुविधा होती है और अन्य रैंक के लोगों को उनकी पोस्ट के हिसाब से रेल में सुविधा दी जाती है लेकिन उनके मरणोपरांत उनके परिवार के लोगों को रेल की सुविधा प्राप्त नहीं है। मैं समझता हूं कि उनके घर में जो व्यक्ति काम करने वाला होता है,

उनके घर में पौंछा लगाने वाला भी स्लीपर क्लास में नहीं चलता है। उन सैनिकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि आप सरकार को निर्देश दें कि रैंकवाइज जो सीनियर ऑफिसर हैं, जो कमीशंड अफसर हैं, जिस रैंक में थे तब उन्हें जो सुविधा रेलवे में प्रदान की जाती थी, अभी भी उन्हें वही पास दिया जाये। ममता जी यहां बैठी हैं। उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उन शहीदों को रैंकवाइज जो कमीशंड अफसर थे, उन्हें उनके रैंकवाइज, जो जेसीओज़ थे, उन्हें उनके रैंकवाइज, जो अदर रैंक के थे, जो सिपाही रैंक के थे, जो उस समय जिस क्लास में यात्रा करते थे, उसी के मुताबिक उन्हें सुविधा दी जाये। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मैं आग्रह करता हूं कि सरकार इसे अविलंब लागू करे। धन्यवाद।

13.14 hrs.

At this stage Shri Lalu Prasad and some other hon. Members left the House